



Mr.puneet



Ms.shilpa

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120738101

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
9-10/10/1988 :	जन्म तिथि	: 23/10/1996
रवि-सोमवार :	दिन	: बुधवार
घंटे 05:05:00 :	जन्म समय	: 22:15:24 घंटे
घटी 56:51:45 :	जन्म समय(घटी)	: 39:23:25 घटी
India :	देश	: India
Solan :	स्थान	: Solan
30:54:00 उत्तर :	अक्षांश	: 30:54:00 उत्तर
77:06:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:06:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:36 :	स्थानिक संस्कार	: -00:21:36 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:20:18 :	सूर्योदय	: 06:30:02
17:55:50 :	सूर्यास्त	: 17:41:32
23:42:05 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:48:46
कन्या :	लग्न	: मिथुन
बुध :	लग्न लग्नाधिपति	: बुध
कन्या :	राशि	: कुम्भ
बुध :	राशि-स्वामी	: शनि
हस्त :	नक्षत्र	: पू०भाद्रपद
चन्द्र :	नक्षत्र स्वामी	: गुरु
1 :	चरण	: 3
ऐन्द्र :	योग	: ध्रुव
चतुष्पाद :	करण	: बालव
पू-पुरुषोत्तम :	जन्म नामाक्षर	: दा-दामिनी
तुला :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृश्चिक
वैश्य :	वर्ण	: शूद्र
मानव :	वश्य	: मानव
महिष :	योनि	: सिंह
देव :	गण	: मनुष्य
आद्य :	नाड़ी	: आद्य
मूषक :	वर्ग	: सर्प

शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
चन्द्र 7वर्ष 8मा 29दि
गुरु

10/07/2021

10/07/2037

गुरु	28/08/2023
शनि	10/03/2026
बुध	15/06/2028
केतु	22/05/2029
शुक्र	21/01/2032
सूर्य	08/11/2032
चन्द्र	10/03/2034
मंगल	14/02/2035
राहु	10/07/2037

अंश

05:59:37
23:11:10
13:00:14
08:20:13
26:00:11
12:01:55
12:35:35
03:32:13
20:10:38
20:10:38
03:50:54
13:50:29
17:47:31

राशि

कन्या
कन्या
कन्या
मीन व
कन्या व
वृष व
सिंह
धनु
कुंभ व
सिंह व
धनु
धनु
तुला

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु
शुक्र
शनि व
राहु
केतु
हर्ष
नेप
प्लूटो

राशि

मिथु
तुला
कुंभ
सिंह
तुला
धनु
सिंह
मीन
कन्या
मीन
मक
मक
वृश्चि

अंश

20:17:40
06:44:42
29:01:55
02:28:52
00:32:33
17:45:03
29:13:02
08:11:19
14:08:09
14:08:09
06:54:33
01:14:43
07:57:09

विंशोत्तरी
गुरु 5वर्ष 1मा 28दि
बुध

21/12/2020

22/12/2037

बुध	20/05/2023
केतु	16/05/2024
शुक्र	17/03/2027
सूर्य	22/01/2028
चन्द्र	22/06/2029
मंगल	19/06/2030
राहु	06/01/2033
गुरु	14/04/2035
शनि	22/12/2037

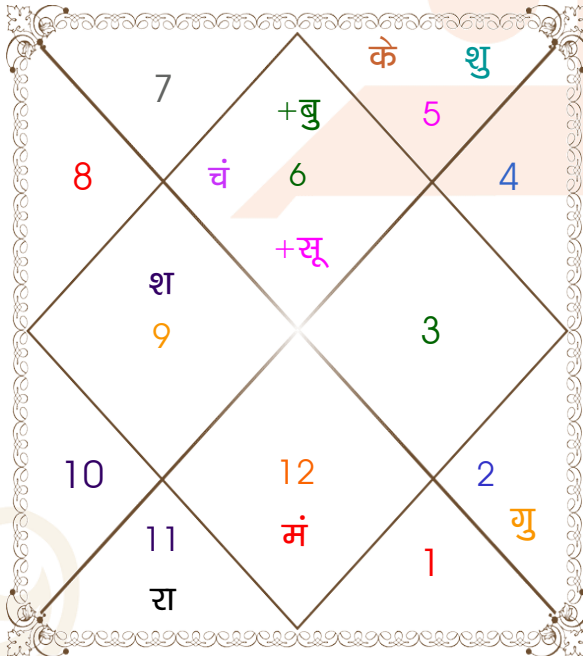
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

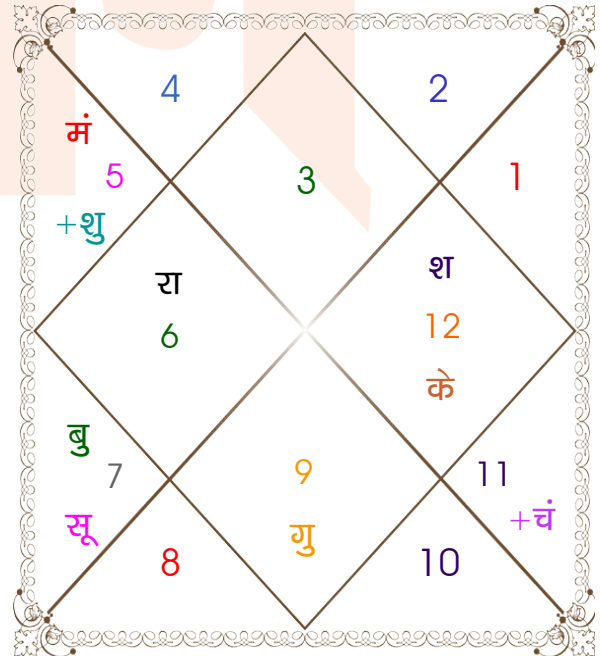
राहु : स्पष्ट

23:42:05 चित्रपक्षीय अयनांश 23:48:46

लग्न-चलित



लग्न-चलित



शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्काॅलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

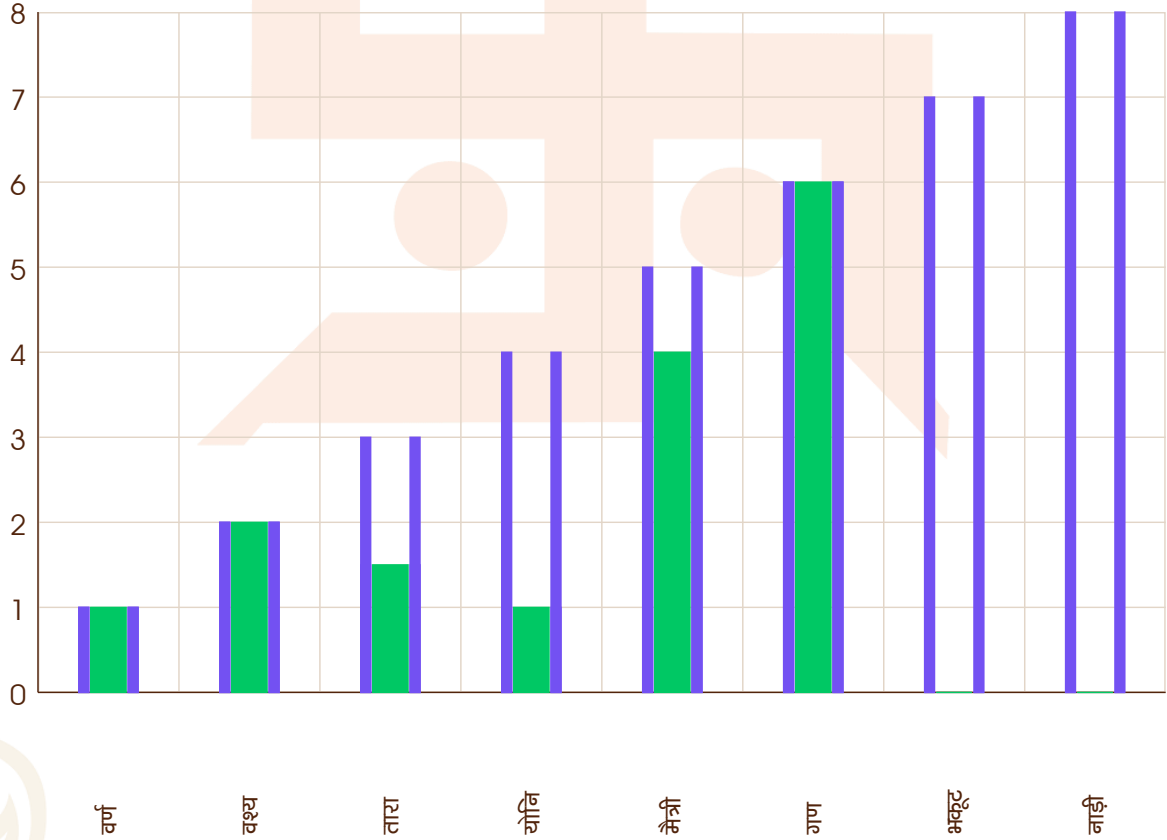
कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शनि	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	कन्या	कुम्भ	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाडी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान

कुल :

36

15.50

कुल : 15.5 / 36



शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्काॅलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

अष्टकूट मिलान

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

Mr.puneet का वर्ग मूषक है तथा Ms.shilpa का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.puneet और Ms.shilpa का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.puneet मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

Ms.shilpa मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

**त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.shilpa की कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.puneet तथा Ms.shilpa में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.puneet का वर्ण वैश्य है तथा Ms.shilpa का वर्ण शूद्र है। इसमें Ms.shilpa का वर्ण Mr.puneet के वर्ण से नीचा है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप Ms.shilpa अति आज्ञाकारी, सहायता करने वाली तथा बिना किसी शिकायत के पूरे परिवार की सेवा-सुश्रुषा एवं देखभाल करने वाली होगी। साथ ही हर किसी की सेवा के लिए Ms.shilpa हमेशा तत्पर रहेगी। बिना उचित कारण के वह किसी के साथ तर्क-वितर्क अथवा झगड़ा नहीं करेगी।

वश्य

Mr.puneet का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है एवं Ms.shilpa का वश्य भी द्विपद अर्थात् मनुष्य है अर्थात् दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। Mr.puneet एवं Ms.shilpa दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

Mr.puneet की तारा वध तथा Ms.shilpa की तारा क्षेम है। Mr.puneet की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr.puneet बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। Mr.puneet को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु Ms.shilpa लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

Mr.puneet की योनि महिष है तथा Ms.shilpa की योनि सिंह है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी-कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द

शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए.एम.फिल पी-एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.puneet का राशि स्वामी Ms.shilpa के राशि स्वामी से सम का संबंध रखता है। जबकि Ms.shilpa का राशिस्वामी Mr.puneet के राशिस्वामी के साथ मित्रता का संबंध रखता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी के राशि स्वामी दूसरे साथी के लिए सम हों किंतु दूसरे साथी के राशि स्वामी अपने साथी के राशि स्वामी को अपना मित्र मानते हों तो इसे भी उत्तम मिलान माना जाता है। ऐसी स्थिति में वैवाहिक सुख, शांति, खुशहाली, प्रेम एवं समृद्धि से युक्त जीवन होता है। अतः दम्पति के बीच पारस्परिक समझ, विश्वास एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। दोनों अपने घरेलू अथवा सामाजिक दायित्वों का निर्वहन साथ मिलकर करते रहेंगे तथा सभी की प्रशंसा का पात्र बनेंगे।

गण

Mr.puneet का गण देव तथा Ms.shilpa का गण मनुष्य है। अर्थात् दोनों का गण कूट मिलान हो रहा है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण दोनों दयालु, सहृदय, मृदु, सौम्य एवं एक-दूसरे का ख्याल रखने वाले होंगे। किंतु Ms.shilpa अधिक व्यावहारिक, मिलनसार, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा महत्वाकांक्षी होंगी जो कि भौतिकवादी संसार में अपना अस्तित्व बनाए रखने तथा घर-परिवार चलाने के लिए आवश्यक है। दोनों अपने पारिवारिक, सामाजिक एवं व्यावसायिक जिम्मेवारियों का पूर्णरूपेण निर्वहन करते हुए हर सुख-सुविधाओं से युक्त सुखी जीवन व्यतीत करेंगे।

भकूट

Mr.puneet से Ms.shilpa की राशि षष्ठम भाव में स्थित है तथा Ms.shilpa से Mr.puneet की राशि अष्टम भाव में स्थित है। जिसके कारण यह मिलान बिल्कुल अच्छा मिलान नहीं है। क्योंकि इसमें षडाष्टक दोष लग रहा है। जिसके कारण Mr.puneet लाइलाज बीमारी से ग्रस्त हो सकते हैं तथा अक्सर उनके जलने अथवा दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना बनी रहेगी। Ms.shilpa को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं तथा परिवार के सदस्यों से वैमनस्य होने की संभावना भी रहेगी। पति-पत्नी के बीच वैचारिक मतभेद रह सकते हैं तथा अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे। दोनों के बीच तनावपूर्ण स्थिति पूरे परिवार के लिए समस्या एवं पीड़ा बन जायेगी। मुकदमेबाजी होने से अलगाव एवं तलाक की संभावना भी रहेगी।

शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए.एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

नाड़ी

Mr.puneet की नाड़ी आद्य है तथा Ms.shilpa की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr.puneet एवं Ms.shilpa दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पति वात से संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पति जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के शिकार हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।



शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.puneet की जन्म राशि पृथ्वीतत्व युक्त कन्या तथा Ms.shilpa की राशि वायु तत्व युक्त कुम्भ राशि है। नैसर्गिक रूप से पृथ्वी एवं अग्नि तत्व में असमानता एवं शत्रुता का भाव रहता है। अतः Mr.puneet और Ms.shilpa के मध्य स्वभावगत विषमताएं होगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में तनाव रहेगा। अतः यह मिलान सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा।

Mr.puneet की जन्म राशि का स्वामी बुध तथा Ms.shilpa की राशि का स्वामी शनि परस्पर सम एवं मित्र राशियों में स्थित है। अतः गृहस्थ जीवन व्यतीत करने के लिए यह ग्रह स्थिति सामान्यतया अच्छी रहेगी। इसके प्रभाव से Mr.puneet और Ms.shilpa के मध्य स्नेह सहयोग सहानुभूति तथा समर्पण का भाव रहेगा तथा एक दूसरे को सुख दुख में पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। साथ ही सदगुणों की परस्पर प्रशंसा करेंगे तथा कमियों की उपेक्षा करेंगे। अतः Mr.puneet और Ms.shilpa का दाम्पत्य जीवन सामान्यतया सुखमय रहेगा।

Mr.puneet और Ms.shilpa की राशियां परस्पर षडाष्टक भावों में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह प्रबल भकूट दोष माना गया है। इसके प्रभाव से Mr.puneet और Ms.shilpa के मध्य अनावश्यक मतभेद तथा विवाद रहेंगे जिससे संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा। साथ ही अनावश्यक कोध के प्रदर्शन एवं एक दूसरे की आलोचना भी वातावरण को प्रतिकूल बनाएगी। इस योग में Mr.puneet और Ms.shilpa एक दूसरे के गुणों की उपेक्षा करेंगे तथा कमियों पर अधिक ध्यान देंगे जिससे स्थिति प्रतिकूल रहेगी। अतः Mr.puneet और Ms.shilpa को बुद्धिमता पूर्वक आपसी व्यवहार सम्पन्न करना चाहिए।

Mr.puneet और Ms.shilpa दोनों का वश्य मानव है। अतः इनकी स्वभावगत अभिरुचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं भी समान रहेंगी फलतः दाम्पत्य संबंधों में एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रखने में समर्थ होंगे। इससे उपरोक्त प्रभावों में न्यूनता आएगी।

Mr.puneet का वर्ण वैश्य तथा Ms.shilpa का वर्ण शूद्र है। अतः इनकी कार्य क्षमताएं अनुकूल रहेंगी। Mr.puneet धनार्जन संबंधी कार्यों में रुचिशील होंगे परन्तु Ms.shilpa ईमानदारी तथा परिश्रम से किसी भी कार्य को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगी जिससे कार्य क्षेत्र सुदृढ़ रहेंगे।

धन

Mr.puneet और Ms.shilpa दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य

शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए.एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr.puneet और Ms.shilpa दोनों ही आद्य नाड़ी में हुए हैं। यद्यपि सामान्य रूप से यह नाड़ी दोष बनता है जिससे इनका स्वास्थ्य खराब हो सकता है परन्तु इनका जन्म अलग अलग नक्षत्रों में हुआ है तथा इनकी राशि का स्वामी एक ही ग्रह है। अतः इससे नाड़ी दोष समाप्त हो जाता है परन्तु Ms.shilpa के स्वास्थ्य पर मंगल का दुष्प्रभाव होगा तथा साथ ही मासिक धर्म संबंधी अनियमिता से भी वे कष्ट की प्राप्ति करेंगी। अतः मंगल के इस दुष्प्रभाव को कम करने के लिए Ms.shilpa को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना करनी चाहिए तथा मंगलवार के उपवास भी करने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Mr.puneet और Ms.shilpa का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Mr.puneet और Ms.shilpa के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms.shilpa के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms.shilpa को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms.shilpa को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Mr.puneet और Ms.shilpa सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Mr.puneet और Ms.shilpa का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.shilpa के अपने सास से सामान्यतया अच्छे संबंध रहेंगे तथा सास भी उसके विनम्र स्वभाव, मधुरवाणी तथा गृहणी के रूप में उससे पूर्ण प्रभावित तथा प्रसन्न रहेंगी। Ms.shilpa भी अपनी सास को माता के समान व्यवहार एवं सम्मान प्रदान करेंगी तथा किसी भी

शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए.एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com

गम्भीर समस्या का परस्पर सामंजस्य से समाधान करने में समर्थ रहेंगी।

साथ ही उसके ससुर भी उनकी सेवा तथा आदर के भाव से प्रसन्न रहेंगे तथा Ms.shilpa भी अपनी ओर से उनकी सेवा सुश्रूषा करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से उन्हें यथोचित सम्मान तथा सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनकी प्रतिद्वन्दिता का भाव परस्पर दूरी बनाए रखेगा।

इसके अतिरिक्त सास ससुर का Ms.shilpa को ससुराल में पूर्ण स्नेह तथा सहयोग प्राप्त होगा तथा वे सच्चे मन से उसे अपने परिवार में स्वीकार करेंगे।

ससुराल-श्री

Mr.puneet की सास से संबंधों में मधुरता बनी रहेगी तथा आपसी सामंजस्य के कारण एक दूसरे के प्रति स्नेह तथा सम्मान का भाव रहेगा तथापि यदा कदा संबंधों में औपचारिकता के भाव का भी समावेश रहेगा। उनके मध्य मतभेदों की न्यूनता रहेगी। अतः समय समय पर Mr.puneet सपत्नीक ससुराल के लोगों से मिलने जाया करेंगे।

लेकिन Mr.puneet ससुर के साथ मधुर संबंधों में नित्य वृद्धि करने में समर्थ रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य एवं बुद्धिमता से इनके मध्य अपनत्व का भाव बना रहेगा तथा समय समय पर उनसे इन्हें उपयोगी सलाह भी मिलती रहेगी। इसके अतिरिक्त साले एवं सालियों से भी मित्रतापूर्ण संबंध रहेंगे तथा उनसे यथोचित सम्मान सहयोग एवं स्नेह की प्राप्ति होगी। इस प्रकार ससुराल के लोगों का Mr.puneet के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रहेगा तथा सास को छोड़कर अन्य लोगों से अनौपचारिक संबंध रहेंगे। फलतः वे इनका पूर्ण सम्मान करेंगे तथा अपना वांछित सहयोग समय समय पर प्रदान करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे।

शर्मा डा.जगदीश

नव्यव्याकरणाचार्य एम.ए एम.फिल् पी- एच.डी. यू.जी.सी. स्कॉलर

7018169448

jagdish0069@gmail.com